मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 109, मुंबई, शनिवार, 27 जून, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई ब्लास्ट के दोषी यूसुफ मेमन की मौत

नासिक सेंट्रल जेल में था बंद

यूसुफ की मौत के बारे में बताते हुए नासिक सेंट्रल जेल के जेलर प्रमोद वाघ ने बताया कि सुबह उसको अटैक आया था। जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था। लेकिन वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संवाददाता

नासिक। नासिक की सेंट्रल जेल में सजा काट रहे टाइगर मेमन के भाई यूसुफ मेमन की शुक्रवार को मौत हो गई। उसकी मौत का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। यूसुफ के शव को नासिक सेंट्रल जेल से पोस्टमार्टम के लिए धुले भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि उसकी मौत किस वजह से हुई। आपको बता दें कि यूसुफ मेमन 1993 में मुंबई में हुए सीरियल बम धमाकों की साजिश में शामिल था और धमाकों के मुख्य अभियुक्तों में शामिल टाइगर मेमन का भाई था। 2007 में उसे सजा सुनाई गई थी। साल 2018 में यूसुफ को नासिक सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

यूसुफ ने 1993 ब्लास्ट की साजिश रचने के लिए अपने फ्लैट दिए थे

मुंबई एयरपोर्ट से महीने भर में दो लाख लोगों ने भरी उड़ान

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

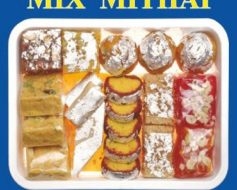

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

मुंबई के होटलों में चीनी नागरिकों की NO ENTRY पर फैसला जल्द!

संवाददाता/मुंबई। संभव है कि आने वाले दिनों में चीनी नागरिकों को मुंबई के बजट होटलों और गेस्टहाउस में रहने के लिए कमरा न मिले। भारत-चीन सीमा पर व्याप्त तनाव के चलते देशभर में चीनी सामान का बहिष्कार करने की अपील लोगों से की जा रही है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने चीनी सामानों के बहिष्कार के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय अभियान 'भारतीय सामान-हमारा अभिमान' के तहत पिछले दिनों नई दिल्ली में चीनी सामान की होली भी जलाई थी। मुंबई के होटल्स और रेस्टोरेंट्स के मालिकों ने चीनी सामान के बहिष्कार की शुरूआत कर दी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भारत-चीन सीमा पर व्याप्त तनाव के चलते देशभर में चीनी सामान का बहिष्कार करने की अपील लोगों से की जा रही है

रेलवे लगाएगा कोविड-19 सर्विलांस कैमरा

सामने आते ही बता देगा कोरोना के लक्षण

नई दिल्ली। कोरोना से लड़ाई लड़ने के लिए रेलवे लगातार तकनीक का सहारा ले रहा है और इससे सफलता भी मिल रही है। अब रेलवे ने फैसला किया है कि वह स्टेशनों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 'COVID surveillance' कैमरा लगाएगा जो फोटो की मदद से स्टेशन घुसने वाले हर शख्स का बॉडी टेंपरेचर माप लेगा और यह भी बताएगा कि किस यात्री ने मास्क पहना है या नहीं पहना है। इसको लेकर RailTail ने 800 कैमरा खरीदने का टेंडर जारी किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दिल्ली की चिंता

देश के जिस चमकदार हिस्से को आदर्श बनकर चमकना था, वहां कोरोना संक्रमण का सबसे ज्यादा फैल जाना दुखद और चिंताजनक है। किसी भी देश की राजधानी में आबादी ज्यादा होती है, लेकिन इसके बावजूद उसे खुद को तमाम कमियों से बचना-बचाना पड़ता है, ताकि उस पर विश्वास कायम रहे। राजनीति से परे भी राजधानी का अपना महत्व है और यह महत्व वहां मौजूद सुविधाओं-संसाधनों की वजह से ही आकार लेता है। यह दुखद तथ्य है कि दिल्ली ने कोरोना के मामलों में उस मुंबई को पछाड़ दिया है, जो विगत लगभग दो महीने से सबसे आगे चल रही थी। मुंबई में जहां रोज आ रहे मामलों की संख्या में भारी कमी आई है, वहीं दिल्ली में एक दिन में 3,788 मामलों का सामने आना चिंता को बहुत बढ़ा देता है। यह दिल्ली के लिए पहले से कहीं ज्यादा ईमानदारी और मुस्तैदी से सोचने-करने का वक्त है। आने वाले दिनों में कई देशों से हवाई उड़ानें शुरू हो जाएंगी और एक राजधानी के रूप में दिल्ली की जो व्यापक जिम्मेदारियां हैं, उनसे बचना नामुमकिन है। कोरोना की चेन तोड़ने के लिए सरकार को युद्ध स्तर पर प्रयास करने चाहिए। अर्थव्यवस्था के लिए लॉकडाउन खुलना जरूरी है, पर ऐसा न हो कि संक्रमण इतनी तेजी से फैले कि अनलॉक होने का नुकसान ज्यादा और फायदे कम हो जाएं। उधर, लॉकडाउन खोलने के बाद महानगर चेन्नई की भी हालत खराब हो गई थी, तो वहां फिर 12 दिन का संपूर्ण लॉकडाउन लगाना पड़ा है। कोलकाता में भी राहत नहीं है, पश्चिम बंगाल सरकार ने लॉकडाउन को 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है। दिल्ली में अभी लॉकडाउन का इरादा किसी नेता ने नहीं जताया है, पर संक्रमण को नहीं संभाला गया, तो कोरोना व लॉकडाउन की राजनीति शुरू करने का इंतजार करने वाले भी कम नहीं होंगे। राजनीति का अपना मिजाज है, जिसमें एक दोषी या आरोपी खोजा जाता है, लेकिन कोरोना के समय ऐसा कोई प्रयास करने की बजाय सकारात्मक ढंग से सोचना चाहिए। अव्वल तो दिल्ली में परस्पर समन्वय बढ़ाना सबसे जरूरी है। निर्णायक नेताओं को रोष, राजनीति छोड़कर फैसले लेने होंगे। जनता देख रही है कि कौन क्या कर रहा है। अतः नेताओं को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास गहराई से होना चाहिए। मरीज घर में रहे या अस्पताल आए, जैसे विषय पर विवाद का समय नहीं है। बहुत से लोग होंगे, जिनके घर में जगह या सुविधाएं नहीं होंगी, तो उनका अस्पताल आना विवशता है। अतः दोनों ही तरह कर सुविधाओं के साथ सरकार को चलना होगा। यह मरीजों के अनुकूल राह निकालने का समय है। बहरहाल, दिल्ली सरकार ने घर-घर जांच का जो बीड़ा उठाया है, वह सराहनीय है। 15,000 से ज्यादा टीमें बन रही हैं, जिनमें 55 हजार से ज्यादा चिकित्सा सेवक शामिल होंगे, जो 34 लाख से अधिक घरों में जाकर लोगों की जांच करेंगे। ऐसे बड़े अभियान के समय लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे स्वयं आगे बढ़कर जांच कराएं। संभव है, घर-घर जांच से कोरोना के मामलों की संख्या बढ़ जाए, पर तब भी 6 जुलाई तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और उसके बाद की रणनीतियों के साथ भी दिल्ली को तैयार रहना चाहिए। इस तैयारी की बुनियाद निर्णायकों के परस्पर समन्वय पर निर्भर है और जो थोड़े-बहुत मतभेद रह भी जाएं, तो उनका असर जांच या चिकित्सा टीमों पर नहीं पड़ना चाहिए।

केंद्र सरकार की फेल होती नीतियां

केंद्र सरकार घरेलू नीति से लेकर विदेश नीति पर लगातार फेल होती नजर आ रही है। घरेलू नीति में रोजगार, मंहगाई या आर्थिक विकास हर मोर्चे पर फिसड्डी साबित हुई है। इसी तरह विदेश नीति पर नजर डाले तो केंद्र सरकार का बुरा हाल है। इस विफलता को भले ही केंद्र सरकार स्वीकार करें या न करे, परंतु सच्चाई यही है। स्थिति यह है कि एक -एक करके हर पड़ोसी देश भारत के से दूर होते चले जा रहे हैं, उससे यह आभाष और पक्का हो गया है।

पाकिस्तान, चीन, नेपाल, बांग्लादेश के बाद भूटान ने भी भारत का सिर दर्द बढ़ाना प्रारंभ कर दिया है। भूटान ने आसाम के बक्सा गांव के किसान सिंचाई के लिए जिस डोंग नदी के पानी का इस्तेमाल करते थे उसे भूटान ने रोक दिया है। इससे छह हजार किसान प्रभावित हुए हैं। इससे पूर्व में भूटान ने भारतीय पर्यटकों से एक हजार रुपए अतिरिक्त वसूलने का कदम उठाने का काम किया है। ये तो बात हुई भूटान की। अब नजर डाले नेपाल पर। वह लगातार भारत विरोधी गतिविधियां कर रहा है। भले ही हम नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी और चीन को दोषी ठहराएं वह अलग बात है। लेकिन गंभीरता से ध्यान दें तो मधेसी आंदोलन के समय जिस तरह की हमारी नीतियां थी उसके कारण नेपाल हमसे दूर जाने लगा। कहने को तो हम नेपाल को अपना छोटा भाई बताते हैं परंतु, हमारे शासकों ने छोटे भाई वाला सलूक नहीं किया। नोटबंदी के समय भी भारत सरकार ने वहां उत्पन्न हई कठिनाईयों को नजरंदाज किया था। जबकि, इस मुद्दे पर नेपाल के प्रधानमंत्री दिल्ली बात करने पहुंचे थे लेकिन उन्हें निराश लौटना पड़ा। अब लिपुलेख,कालापानी को लेकर भी नेपाल को कॉन्फिडेंश में लेने की कोशिश ही नहीं की गई जिसका परिणाम सबके सामने है। इसी तरह हमारी सरकार चीन को लेकर भी गलतफहमी पाले बैठी थी। परंतु इस बात का जवाब नहीं दे पा रही है कि उससे किसने कहा था चीन पर इतना विश्वास करे?

दरअसल, केंद्र सरकार और भाजपा नेता यह मानकर बैठे हैं कि एक किलो अक्ल उनके पास और तीन पाव में दुनियां। सत्तारूढ़ नेताओं ने बांग्लादेशियों को घुसपैठिया कहकर कई जगह आंदोलन भी किये, परंतु स्वयं ही एक बांग्लादेशी को मुख्यमंत्री बना दिया। ये दोहरा मापदंड उनके मुखौटे को तार-तार कर रहा है। वे घरेलू नीति की तरह विदेशी देशों से शुरू से भी दबाव की राजनीति बनाने की कोशिश करते रहे हैं। किसी की न सुनना बस मन की करना ने आज देश को इस मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है । वे बात बिगड़ने पर सारा दोष दूसरे पर थोपना चाहते हैं। यही काम उन्होंने घरेलू स्तर पर भी किया है।

उन्हें सलाह सुनना तो बिलकुल ही नागवार लगता है। वे हर सलाह देने या विरोध करने वालों को दुश्मन की नजर से देखते हैं। वे देश को पार्टी की तरह चला रहे हैं। उनकी यह आदत उन्हें विरासत में अपने मूल संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से मिली है। वे दोष स्वीकार करने की जगह दूसरो को अपराधी ठहराने में और चुप करवाने में पूरी जान लगा देते हैं और इसके लिए वे ट्रोलर्स से लेकर मीडिया के एक दबके की मदद लेते हैं जो घटिया स्तर उतर जाते हैं। इससे भले ही सरकार और भाजपा को तात्कालीन फायदा पहुंचे परंतु देश को भारी नुकसान पहुंच रहा है। वे नये जुमले गढ़कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। भारत को सुपर पावर बनाने के लिए सबका साथ सबका विकास का नारा रटने से नहीं बल्कि करके दिखाने से होगा । हम सब साथ हैं। यदि फिर भी समझ न आए तो ईश्वर से सद्बुद्धि की प्रार्थना की की जा सकती है।

क्या क्लीनिकल ट्रायल से आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक दवाओं में दुनिया का भरोसा बढ़ेगा

मानव सभ्यता में एक दौर ऐसा भी था जब किसी बीमारी में प्राथमिकता मरीज के आराम को दी जाती थी, ना कि चिकित्सा पद्धति को। लेकिन आज हालात ये हैं कि दवाओं के मामले में भी पूरब-पश्चिम के झगड़े हैं और फार्मा इंडस्ट्री में इसे लेकर होड़ है कि कौन-सा देश और कौन-सी कंपनी पहले कोरोना महामारी की रोकथाम की वैक्सीन बनाने में सफल हो पाती है। इधर योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की तरफ से बाजार में लाई जा रही कोरोना की दवा को लेकर भी ऐसा ही विवाद छिड़ा है। दरअसल पतंजलि फामेर्सी ने क्लीनिकल ट्रायल के बल पर इस दवा से कोरोना मरीजों के सौ फीसद इलाज का दावा किया है, लेकिन सरकार के आयुष मंत्रालय ने कहा कि उसे इस दवा पर किए गए क्लीनिकल ट्रायल की सच्चाई और विवरणों की

कोई जानकारी नहीं है। हालांकि बाबा रामदेव की कंपनी इसे कम्युनिकेशन गैप की समस्या बता रही है, लेकिन इस पूरे हंगामे में यह बात तकरीबन हाशिये पर ही चली गई है कि तमाम गंभीर बीमारियों का इलाज आयुर्वेद, यूनानी या होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से भी हो सकता है। ये आरोप बेबुनियाद नहीं हैं कि पूरी दुनिया का फार्मा उद्योग इस कोशिश में लगा रहता है कि किसी भी तरह से एलोपैथिक चिकित्सा को हल्की सी चुनौती ना मिल पाए। इसके लिए आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सतत खारिज किया जाता है और इसका एक अहम आधार क्लीनिकल ट्रायल को बनाया जाता है। हमारे देश में खास तौर से आयुर्वेद को लेकर बीते कुछ वर्षों से क्लीनिकल ट्रायल की बात उठती रही है। इधर कोरोना वायरस के प्रसार को थामने और किसी भी किस्म के बाह्य संक्रमण के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधी क्षमता में इजाफा करने में आयुर्वेदिक चिकित्सा को उपयोगी बताया जा रहा है। पतंजलि के दावे अपनी जगह हैं, पर इससे अलग आयुष मंत्रालय के अधीन काम करने वाले राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने कोरोना को लेकर जो चार आयुर्वेदिक औषधियां तैयार की हैं, उनका विभिन्न जगहों पर कोरोना पॉजिटिव मरीजों पर क्लीनिकल ट्रायल किया जा रहा है।

मुंबई एयरपोर्ट से महीने भर में दो लाख लोगों ने भरी उड़ान

संवाददाता

मुंबई। कोरोना महामारी के चलते तीन महीने से लॉकडाउन रहने के बाद देश जब अनलॉक हुआ तब लोग भी अपने-अपने घरों से बाहर निकले। महाराष्ट्र के सिविल एविएशन सेक्टर के मुताबिक, अनलॉक 1 शुरू होने के बाद से दो लाख लोगों ने मुंबई एयरपोर्ट से उड़ान भरी है। इससे जाहिर होता है कि कोरोना महामारी के बीच लोगों ने अपने आपको अनलॉक करना शुरू कर दिया है। महाराष्टर सरकार की ओर से एक दिन में 50 विमानों की

आवाजाही को मंजूरी मिली है। हवाई यात्रा की शुरूआत को अब एक महीने का वक्त गुजर चुका है। बीते एक महीने में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तकरीबन 2 लाख एक हजार 258 यात्रियों ने हवाई यात्रा की है। खास बात यह है मुंबई से दूसरे शहरों में जाने वाले यात्रियों की तादाद काफी ज्यादा है जबकि मुंबई शहर में आने वाले मुसाफिरों की संख्या काफी कम है। खबर के मुताबिक, मुंबई शहर से बाहर जाने वाले यात्रियों की संख्या 1 लाख 40 हजार 878 है जबकि मुंबई में आने वाले यात्रियों की तादाद महज 60 हजार 380 रही।

1744 अंतदेर्शीय उड़ानों का संचालनः मुंबई एयरपोर्ट पर 25 मई से लेकर 24 जून तक 1744 अंतदेर्शीय उड़ानों का संचालन हुआ। मुंबई एयरपोर्ट के प्रबंधन को देखने वाली कंपनी जीवीके ने बताया की 10 एयरलाइन कंपनियों की 1744 डोमेस्टिक फ्लाइट देश के 34 सेक्टर में उड़ान भर चुकी है। मुंबई से जिन शहरों में सबसे ज्यादा यात्रियों ने यात्रा की उन शहरों में दिल्ली, कोलकाता, वाराणसी और पटना का नाम शामिल है। मुंबई से दिल्ली 41 हजार 206, मुंबई से कोलकाता 22 हजार 778, मुंबई से वाराणसी 18 हजार 812 और मुंबई से पटना 17 हजार 784 यात्रियों ने यात्रा की है। महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में कुछ नए सेक्टर्स में विमानों की आवाजाही की इजाजत दी है। इसके बाद मुंबई से कोयम्बटूर, त्रिवेंद्रम, उदयपुर, रायपुर, जबलपुर और जलगांव के लिए विमानों की आवाजाही भी शुरू कर दी गई है।

गरीबी में दूध पीने को मांगती थी बेटी तो मां ने अपने ही आंचल से घोंटा गला, फिर खुद लगा ली फांसी

संवाददाता

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में एक दर्दनाक वारदात सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी तीन साल की बेटी की हत्या कर दी। बेटी को मारने के बाद मां ने भी आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने गरीबी के चलते इस घटना को अंजाम दिया। लॉकडाउन में मजदूरी छूट गई थी। छोटी सी बच्ची उससे पीने के लिए दूध मांगती थी जबकि उनके पास खाने को भी पर्याप्त नहीं जुट पा रहा था। मामला जिले के जवाहर इलाके का है। पुलिस ने बताया कि बुधवार की सुबह लगभग सात बजे गांव के लोग बाहर निकले तो उन्होंने एक महिला और उसकी बेटी की लाश बोरीमचल में पड़ी देखी। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि महिला का नाम मंगल दिलीप वाघ (30) था। पुलिस ने बताया कि मंगल के पास ही उसकी तीन साल की बेटी रोशनी की भी लाश पड़ी थी। मंगल आदिवासी थी और पास के गांव में ही अपने परिवार के साथ रहती थी। पुलिस ने मंगल और रोशनी का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट से पता चला कि मंगल ने आत्महत्या की थी। पुलिस ने बताया कि मंगल ने पहले रोशनी का अपनी साड़ी से गला घोंटकर मारा और फिर उसी साड़ी का फंदा बनाकर खुद को पेड़ से लटका लिया। उन्होंने बताया कि मंगल का पति दिहाड़ी मजदूर था। कोरोना वायरस महामारी के कारण परिवार के आर्थिक हालात खराब हो गई थी। गरीबी के चलते परिवार परेशान था।

अवसाद में थी मां

मंगल की एक सात साल की और बेटी है। वह उसे कुछ भी खाने को दे देती तो वह शांत हो जाती लेकिन रोशनी छोटी थी। वह पीने के लिए दूध की जिद करती थी। उनके पास खाने को नहीं जुट पा रहा था ऐसे में वह रोशनी को दूध कहां से पिलाती, इसी अवसाद में उसने खुद की और अपनी बेटी की जिंदगी खत्म कर दी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई ब्लास्ट के दोषी यूसुफ मेमन की हुई मौत

यूसुफ की मौत के बारे में बताते हुए नासिक सेंट्रल जेल के जेलर प्रमोद वाघ ने बताया कि सुबह उसको अटैक आया था, जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था। लेकिन वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। 12 मार्च, 1993 दिन शुक्रवार। हमेशा की तरह मुंबई में जिंदगी दौड़ रही थी। दोपहर का समय था। लोग लंच की तैयारी में थे। दोपहर के 1।30 बज चुके थे। अचानक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में जोर धमाका हुआ। ऐसा धमाका, जिसकी गूंज दूर-दूर तक गई। चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले कि हाहाकार के बीच लोग कुछ समझ पाते महज 2 घंटे 10 मिनट के भीतर मुंबई के अंदर 12 जगह धमाके हो गए। इनमें 257 लोगों की मौत हो गई, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। यह उस वक्त का सबसे बड़ा आतंकी हमला था।

मुंबई के होटलों में चीनी नागरिकों की नो एंट्री पर...

हालांकि चीनी नागरिकों को कमरे देने या न देने के बारे में अभी कोई फैसला लिया नहीं जा सका है। वैसे इन होटलों में पांच सितारा होटल शामिल नहीं हैं। होटेल ऐंड रेस्टोरेंट असोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया (HRAWI) के प्रेजिडेंट दिलीप दतवानी ने कहा कि मुंबई के होटल्स और रेस्टोरेंट्स में चीन के सामान का बहिष्कार करने का फैसला लिया जा चुका है। जहां तक चीनी नागरिकों को होटल में कमरे न देने का सवाल है, उस पर अभी फैसला होना बाकी है। शनिवार को यानी आज एक बैठक होने वाली है जिसमें इस मुद्दे पर कोई फैसला लिया जा सकता है। गौरतलब है कि CAIT के अभियान को तब मजबूती मिली जब दिल्ली के होटल ऐंड रेस्टोरेंट ओनर्स असोसिएशन ने घोषणा की कि उनके होटल और रेस्टोरेंट में चीनी सामान का बहिष्कार किए जाने के अलावा होटल में चीनी नागरिकों को रहने के लिए कमरा भी नहीं दिया जाएगा। CAIT के नैशनल प्रेजिडेंट बीसी भरतिया ने कहा कि अभी तो भारत में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आ नहीं रही हैं लेकिन भविष्य में ऐसा हो सकता है। चीनी नागरिक केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि मुंबई, पुणे, आगरा, बेंगलुरु जैसे देश के प्रमुख शहरों में पर्यटन से लेकर पेशेवर और कारोबारी कारण से आते हैं। हम ऐसे सभी शहरों के होटेल और रेस्टोरेंट मालिकों की संस्थाओं से संपर्क कर उन्हें अपने अभियान से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। दिल्ली और मथुरा की संस्थाओं ने हमें अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। मुंबई के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। CAIT की कमिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के नैशनल कन्वीनर नितिन केडिया ने कहा कि मुंबई के होटल और रेस्टोरेंट मालिकों की संबंधित संस्था को अभियान से जोड़ने के प्रयास चल रहे हैं जो अभी शुरूआती चरण में है।

रामपुर हलचल

लालपुर पुल के निर्माण के लिए पत्र उपजिलाधिकारी गौरव कुमार को दिया गया

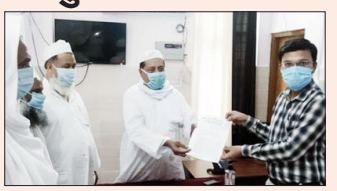

टाण्डा (रामपुर)। जमीयत उलेमा हिन्द के अध्यक्ष व पूर्व पालिका अध्यक्ष महमूदुज्जफर रहमानी ने अपने साथियों सहित लालपुर पुल के निर्माण कराये जाने को लेकर एक पत्र उपजिलाधिकारी गौरव कुमार को प्रस्तुत किया हैं जिसमे लालपुर पुल की अहम समस्या को देखते हुए मांग की गई हैं कि लालपुर का पुल का क्षतिग्रस्त होने से बन्द कर दिया गया था जिस पर दो पहिया वाहन और घोड़े तांगे ही उससे गुजर पाते थे कई वर्ष पूर्व इसको मुकम्मल तरीके से तोड़ दिया गया था नये पुल के निर्माण के लिए कुँए भी बना दिए गये थे केवल उस पर लेंटर पढ़ना बाकी था प्रत्येक वर्ष रामपुर के आवागमन के लिए अस्थाई तोर पर लकड़ी का पुल बना दिया जाता था वरशात से पूर्व उसको भी तोड़ कर वित्म कर दिया जाता है जिसमे लकड़ी के पुल का निर्माण कराये जाने से सम्बंधित लगभग 3 करोड़ रुपये की धनराशी से बनाया जाता है नगर व क्षेत्र के लोग पुल की समस्यां को देखते हुए काफी चिन्तित एवं परेशान होकर रह जाते है रामपुर मुख्यालय पहुचनें के लिए 40 किलो मीटर की दूरी अन्य रास्तों से तय कर पहुंचनां पड़ता हैं न्यायलय व सरकारी कार्यालयों में समय से न पहुंचनें पर अनेकों प्रकार की परेशानियों से जूझना पड़ता हैं जबके नगर के अन्दर 35 राईस मिल, व्हील्स इण्डिया लि० दो गैस एजेंसियां पेट्रोल पम्प तथा अन्य छोटे छोटे उधोग धन्धे मोजूद हैं जिसके चलते सरकार को करोड़ो रुपये टेक्स के रूप में अदा किये जाते हैं क्षेत्रयी लोगों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री शासन उत्तर प्रदेश सरकार से शीघ्र लालपुर पुल के निर्माण कार्य चालु कराये जाने की मांग की गई हैं ज्ञापन देने वालों में महमूदुज्जफर रहमानी, मोलाना इरफान कासमी, मोलाना जलीस अहमद कासमी, मोलाना लियाकत अली कासमी, मोलाना जहीरुल इस्लाम कासमी, मोलाना शोकत अली कासमी, नवेदुज्जफर रहमानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मास्क वितरण किया गया

टाण्डा (रामपुर)। व्यापार मण्डल के नगर उपाध्यक्ष मु० सलीम कसगर ने मास्क बांटे जाने को लेकर मुख्य चोराहों अपने आवास पर वितरण किया कहा कि मास्क का लगाना हर व्यक्ति के लिए अवश्य हो गया है हर व्यक्ति को अपने आप को कानून के नियमों का पालन करना है। उधर भाजपा अल्पसंख्या मोर्चा के ब्लाक उपाध्यक्ष मु० शरीफ अंसारी ने भी मास्क वितरण किये जाने के साथ साथ कहा कि लॉकडाउन के चलते पांच आदमियों से अधिक भीड़ भाड़ न लगायें तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा जाय एक दुसरे से अपना सम्पर्क दूरी रहते बनायें साथ ही लॉकडाउन का सही ढंग से पालन किये जाने की अपील की गई हैं।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूला गया

टाण्डा (रामपुर)। नगर के मुख्य बाजार सहित नगर के अन्य मोहल्लों काजीपुरा, बरगद, मनिहारान, सेंटा खेड़ा, हाजीपुरा, भाब्बलपुरी ब्रहस्पतिवार की शाम भ्रमण किया भ्रमण के दोरान बिना मास्क लगाये, मोटर साइकिलों आदि पर घूम रहे व लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूला गया साथ ही सख्त दिशा निर्देशों का पालन करने की हिदायत दी गई तथा उल्लंघन करने वालों से सख्ती के साथ निपट्टा जायेगा बाजार के अन्दर भ्रमण के दोरान दुकानदारों में सन्नाटा छा गया दुकानदारों में भ्रमण को लेकर अचानक अभियान को देखते हुए अलग अलग चर्चायें करते दिखाई दिये बिना मास्क का प्रयोग न करने वालों से जुर्माना वसूले जाने के साथ साथ उनको मास्क बांटे जाने का भी वितरण किया गया। लॉकडाउन अचानक भ्रमण के दोरान उपजिलाधिकारी गौरव कुमार, तहसीलदार महेन्द्र बहादुर सिंह नायब तहसीलदार कोतवाल माधो सिंह बिष्ट, एस. आई. रामवीर सिंह, सुरेश सिंह, प्रहलाद सिंह राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

टिक टॉक स्टार सिया कक्कड़ सुसाइड

पुलिस ने सीज किया मोबाइल

दोस्तों से होगी पूछताछ

संवाददाता

नई दिल्ली। टिक टॉक स्टार सिया कक्कड़ ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित अपने घर पर सुसाइड कर लिया था। 16 वर्षीय सिया की मौत के बाद दिल्ली पुलिस ने सिया के आत्महत्या करने के पीछे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक उसका सेलफोन सीज कर दिया गया है और पुलिस दोस्तों से पूछताछ कर रही है। सिया के टिक टॉक पर 11 लाख से ज्यादा फॉलोअर थे और घटना के कुछ ही घंटे पहले उन्होंने एक डांस वीडियो भी अपलोड किया था। हालांकि सिया का फोन सीज कर दिया गया है लेकिन पुलिस अभी तक इसे अनलॉक नहीं कर सकी है। जांच अधिकारी फोन को अनलॉक करने में सिया के परिवार की मदद लेंगे ताकि उसकी कॉल डिटेल्स और बाकी चीजों की जांच की जा सके। सिया लॉकडाउन के दौरान घर पर ही थी और उसने अपने आखिरी कुछ वीडियो घर से ही बनाए थे। उसका स्कूल बंद है लेकिन पुलिस स्कूल के अधिकारियों और उसके करीबी दोस्तों से बात करेगी ताकि मौत के पीछे का कोई सुराग मिल सके। दिल्ली पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक सिया पिछले 4 दिनों से तनाव में थी। दिल्ली पुलिस कमिश्नर के मुताबिक सिया के घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसके शरीर का पोस्टमार्टम हो चुका है।

बातचीत में डीसीपी ने कहा....

सिया की मौत नई दिल्ली स्थित उसके घर पर 25 जून को रात 9 बजे के करीब आत्महत्या करने से हुई है। वह अपने परिवार के साथ रह रही थी। उनका परिवार इस घटना के बाद सदमे में है और उन्होंने प्राइवेसी देने का अनुरोध किया है। अब तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मैनेजर ने कही ये बात

सिया की मौत की खबर उनके मैनेजर अर्जुन सरिन ने गुरुवार को कंफर्म की है। उन्होंने कहा, हो सकता है कि उन्होंने ऐसा किसी बहुत निजी कारण के चलते किया हो...काम के लिहाज से देखें तो वह अच्छा कर रही थीं। एक नए प्रोजेक्ट को लेकर मेरी पिछली रात उनसे बात हुई थी और वो बहुत सामान्य लग रही थीं।

धारावी के दो कोविड केयर सेंटरों के सभी मरीज ठीक होकर हुए डिस्चार्ज

अब 'धारावी मॉडल' सुर्खियां में

संवाददाता

मुंबई। मुंबई की झुग्गी-बस्ती धारावी में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के सिर्फ 11 नए मामले सामने आए और पिछले 24 घंटे में इलाके में किसी की मौत नहीं हुई है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने बताया कि धारावी में अभी तक कुल 2,210 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। एशिया का सबसे घनी आबादी वाला मुंबई का इलाका धारावी इन दिनों चर्चा में है। उसकी चर्चा महामारी का प्रभावी ढंग से सामना करने को लेकर हो रही है। धारवी ने ना सिर्फ कोरोना वायरस से जंग लड़ी बल्कि हारी हुई बाजी को जीतने की सीख भी दी है। कोरोना वायरस का हॉटस्पॉट बन चुका धारावी अब वायरस की रफ्तार को धीमा कर रहा है। धारावी के दो कोविड केयर सेंटरों के सभी मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज हो गए हैं। अब मुंबई में 'धारावी मॉडल' सुर्खियां में है। धारावी के दो कोविड केयर सेंटर, 750 बेड वाला धारावी म्युनिसिपल स्कूल और 1500 बेड वाला राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बंद हो गए हैं। यहां भर्ती सारे पॉज़िटिव मरीज ठीक हो चुके हैं। अब वहां 'मिशन जीरो अभियान' चलाया जा रहा है।

....कोरोना को रोकथाम करने में कई चुनौती थी

धारावी जैसी जगह पर कोरोना को रोकथाम करने में कई चुनौती थी। सबसे बड़ी चुनौती थी धारावी कि 80 फीसदी आबादी सामुदायिक शौचालयों पर निर्भर करती है। लगभग 8-10 लोग घरों/झोंपड़ियों में रहते हैं, जो कि 10 फीट x 10 फीट की दूरी पर 2-3 मंजिला घरों के साथ संकरी गलियों से जुड़ा होता है। जहां अक्सर एक घर के ऊपर कई मंज़िल होती है और अन्य मंजिलों का उपयोग कारखानों के रूप में किया जाता है। इसलिए, प्रभावी होम क्वारंटाइन की कोई संभावना नहीं थी साथ ही दूरी यानी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन संभव नहीं था।

बीएमसी ने लागू किया 4 टी प्लान

ऐसे में बीएमसी ने 4 टी प्लान लागू किया- ट्रेसिंग, ट्रैकिंग, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट। इस के बाद प्रोएक्टिव स्क्रीनिंग का फैसला किया गया। घर-घर जाकर डॉक्टरों और निजी क्लीनिकों ने 47,500 लोगो की स्क्रीनिंग की। 14,970 लोगों को मोबाइल वैन से स्क्रीनिंग की। वहीं बीएमसी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा 4,76,775 लोगो की स्क्रीनिंग हुआ था। वहीं बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों जैसे हाई रिस्क कैटेगरी जांच के लिए फीवर क्लीनिक स्थापित किए गए थे। इससे 3.6 लाख लोगों की स्क्रीनिंग में मदद मिली। इस तरह से 5,48,270 लोगो की धारावी में जांच हुई। संदिग्ध मामलों को कोविड केयर सेंटर्स और क्वारन्टीन सेंटर्स भेजा गया। 90 फीसदी मरीजों का इलाज धारावी के अंदर ही हुआ।

कैसे हुई ऑपरेशन धारावी की शुरूआत

धारावी में अधिकारियों ने अप्रैल से अभियान की शुरूआत की। उन्होंने 47 हजार 500 घरों पर दस्तक देकर तामपान और ऑक्सीजन लेवल जांचा। 7 लाख लोगों की स्क्रीनिंग कर कोरोना के लक्षणों की पहचान की। उसके बाद कोरोना के लक्षणों का पता चलाकर लोगों को नजदीकी स्कूल और स्पोर्ट्स क्लब के क्वारंटीन सेंटर भेजा। मई के शुरूआत से यहां संक्रमण के एक तिहाई मामलों में रोजाना कमी देखी जा रही है। इसके अलावा आधे से ज्यादा मरीज ठीक होकर जानलेवा कोरोना वायरस को हरा चुके हैं।

कोरोना की जंग में धारावी बना रोल मॉडल: मुंबई नगरपालिका के सहायक आयुक्त किरण दिघावकर धारावी में कोरोना जंग के अगुवा बनकर उभरे हैं। उन्होंने बताया, 'धारावी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना असंभव था। मेरे पास सिर्फ वायरस का पीछा करने का विकल्प था ना कि मामले आने का इंतजार किया जाए। हमने शुरूआती चरण में ही लोगों को आइसोलेट करना शुरू किया।' दिघावकर और उनकी टीम ने स्क्रीनिंग और टेस्टिंग को जारी रखने का फैसला किया। उनका मकसद मृत्यु दर को सीमित करना था।

टेस्टिंग, स्क्रीनिंग की बदौलत संभाली स्थिति: रणनीति की बदौलत मृत्यु दर में काफी कमी और रिकवरी रेट को बढ़ाया जा सका। करीब 51 फीसद धारावी के कोरोना पॉजिटिव मरीज ठीक होने में कामयाब रहे। संक्रमण के नए मामले मई की शुरूआत में 60 से गिरकर अब 20 पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने जंग में समुदाय का भरोसा जीतकर भी कोरोना की धार को कम करने में सफलता पाई। रमजान में उन्होंने फल, खजूर और उचित भोजन की समय पर व्यवस्था कराई जिससे धार्मिक आयोजन मनाने में दिक्कत ना हो। जबकि दूसरे अन्य लोगों को प्रतिदिन तीन वक्त का खाना दिया गया। धारावी में कोरोना वायरस की जंग फिलहाल खत्म होने को है मगर संक्रमण के दूसरे दौर की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर यूथ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार विपक्षी दलों के निशाने पर हैं। देशभर में पेट्रोलियम वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन प्रदर्शन किए जा रहे हैं। मुंबई यूथ कांग्रेस की उत्तर पश्चिम जिला इकाई के द्वारा भी महंगाई के खिलाफ मोर्चा प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने एक टू व्हीलर की शव यात्रा निकालते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। मोर्चे का नेतृत्व कर रहे उत्तर पश्चिम जिले के कार्यकारी अध्यक्ष सुफियान हैदर ने सरकार से बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग नारेबाजी के माध्यम से की गई। इस विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रीय युवक कांग्रेस के महासचिव अब्राहम रॉय मनी, प्रीतेश तिवारी, प्रियंका सानप, सूरज खोत, मनोज यादव के साथ साथ बेसिक कांग्रेस के जयकांत शुक्ला जी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री के 'घुसपैठ नहीं' वाले बयान से वह चीन में लोकप्रिय हो गए हैं: चव्हाण

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर प्रहार करते हुए कहा कि वह अपने इस बयान से चीन में लोकप्रिय हो गए हैं कि 'किसी ने भी भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ नहीं की।' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि मोदी के 'घुसपैठ नहीं' वाले बयान से भारत के सशस्त्र बलों का मनोबल गिर गया। पूर्वी लद्दाख में इस महीने चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते सर्वदलीय बैठक के दौरान कहा था कि न तो कोई हमारे क्षेत्र के अंदर है, न ही भारत की किसी चौकी पर कब्जा हुआ है। मोदी के बयान का जिक्र करते हुए चव्हाण ने कहा, भारतीय प्रधानमंत्री के बयान के लिए चीन ने उनकी प्रशंसा की और वह उस देश में लोकप्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा, गलवान घाटी में चीनी घुसपैठ को लेकर हम चिंतित हैं और सीमा पर तैनात जवानों पर हमें गर्व है। सीमाओं की रक्षा करना और घुसपैठ को रोकना सरकार की मुख्य जिम्मेदारी है। कांग्रेस इस मुद्दे को उठाती रही है, लेकिन सरकार ने इसकी उपेक्षा की। चव्हाण ने आरोप लगाए कि गलवान घाटी की घटना को लेकर सरकार के अंदर अलग-अलग मत हैं। उन्होंने कहा, विदेश मंत्री ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारतीय क्षेत्र में चीनी सैनिकों की मौजूदगी और निर्माण गतिविधियों की बात को स्वीकार किया।

बढ़ते कोरोना के बीच दिल्ली में सभी स्कूल 31 जुलाई तक बंद

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूलों को दोबार खोलने संबंधी योजना पर शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। लॉकडाउन के दौरान विभिन्न माध्यमों से शिक्षा जारी रखने संबंधी अनुभवों पर भी चर्चा हुई। बैठक में अलग अलग कक्षाओं के अनुरूप विशिष्ट योजना बनाने संबंधी सुझावों पर चर्चा हुई। इसके अलावा इस बात पर भी सहमति बनी कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए स्कूल फिलहाल 31 जुलाई तक बंद रखे जाएं। पिछले दिनों मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक को पत्र लिखकर स्कूलों की नई भूमिका पर विचार करने का अनुरोध किया था। उन्होंने लिखा था कि हमें अभी तय करना है कि हम खुद अपने देश और समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने स्कूलों का पुनर्निर्माण करेंगे या फिर इंतजार करेंगे कि कोई अन्य देश कुछ कर ले, उसके बाद हम उसे अपने यहां कॉपी पेस्ट करें। बैठक में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के 829 शिक्षकों, 61 स्कूल हेड, 920 स्टूडेंट्स और 829 अभिभावकों के ऑनलाइन सुझावों और स्कूल स्तर पर 23262 टीचर्स और 98423 अभिभावकों के सुझाओं पर आधारित जिलेवार रिपोर्ट पर विचार किया गया। इन रिपोर्ट को शिक्षा निदेशालय के उप शिक्षा अधिकारियों ने शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक की उपस्थित में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को प्रेजेंट किया। प्राथमिक कक्षाओं के बारे में सुझाव आया कि 12 से 15 स्टूडेंट की सप्ताह में एक या दो कक्षा लगाई जाए। क्लास 3वीं से 5वीं वैकल्पिक दिन में लगाने का सुझाव आया। स्टूडेंट्स के लिए जहां तक संभव हो ऑनलाइन शिक्षा जारी रखने, सभी कक्षाओं में समुचित सैनिटाइजेशन करने, स्टूडेंट्स को मास्क का वितरण करने, प्रत्येक स्टूडेंट की स्कूल में एंट्री के समय थर्मल स्क्रीनिंग करने और सिलेबस कम करने जैसे सुझाव भी आए।

सप्ताह में 1-2 दिन क्लास कराने का सुझाव

इसी तरह क्लास 6वीं से 8वीं के लिए छोटे समूह में सप्ताह में एक या दो दिन क्लास कराने का सुझाव आया। कुछ लोगों ने सप्ताह में 3 दिन क्लास का भी सुझाव दिया। सिलेबस को 30 से 50 फीसदी तक कम करने पर भी कई लोगों ने जोर दिया। स्टूडेंट्स की सामूहिक गतिविधि और भीड़ पर रोक लगाने का भी सुझाव आया। क्लास 9वीं और 10वीं के लिए सप्ताह 1 या 2 दिन छोटे समूह में क्लास करने का सुझाव आया। कुछ लोगों ने क्लास 10वें के लिए प्रतिदिन क्लास का सुझाव दिया। ऑनलाइन क्लास जारी रखने, यूट्यूब चैनल, खान अकादमी के वीडियो जारी रखने का सुझाव आया। 11वीं और 12वीं की क्लास वैकल्पिक दिनों में कराने और शेष दिनों में ऑनलाइन शिक्षा का सुझाव दिया गया। इनके सिलेबस में भी कटौती का सुझाव आया। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि प्रतिदिन सिर्फ 3 से 4 घंटे की क्लास की जाए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सहारनपुर हलचल

चित्रकला के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

संवाददाता

सहारनपुर। सडक सुरक्षा सप्ताह 2020 के अन्तर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक के सहयोग से यातायात नियमों व सडक सुरक्षा जागरूकता के सम्बन्ध में जनपद के स्कूल, कालेजों में छात्रों के मध्य निबन्ध, चित्रकला, स्व रचित कविता, स्लोगन, ई-कार्ड , रंगोली आदि की प्रतियोगिता ऑन लाइन माध्यम से सम्पन्न करायी गयी। जिसमें स्कूल व कॉलेज के विभिन्न छात्रों ने भाग लेकर सडक सुरक्षा सम्बन्धी उक्त गतिविधियों में शामिल होकर सडक सुरक्षा का सन्देश दिया तथा उसे अपने-अपने स्कूल के ऑन लाइन पोर्टल पर अपलोड किया गया। सडक सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत प्रदूषण सम्बन्धी चैकिंग की गयी तथा सीट

बैल्ट हेलमेट का प्रयोग न करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। उपरोक्त अभियान कुल 42 वाहनों के विरूद्ध प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने पर कार्यवाही की गयी। साथ ही 104 ऐसे वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी,, जिन्होंने सीट बेल्ट अथवा हेलमेट का प्रयोग वाहन चलाते समय नहीं किया। इसके साथ ही सडक सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत जनपद मुख्यालय स्थित विभिन्न ड्राईविंग ट्रेनिंग स्कूलों का निरीक्षण किया गया, जिसमें सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) कुलदीप उपस्थित रहे। सडक सुरक्षा सप्ताह सम्बन्धी उपरोक्त सभी कार्यवाही में सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राधेश्याम, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल, आर0पी0 मिश्रा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वितीय दल, सतीश कुमार, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अमित कुमार तथा प्रवर्तन कर्मी शामिल रहे। यह जानकारी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने दी है।

व्यापार मंडल ने एसएसपी एवं एसपी देहात से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

सहारनपुर। व्यापारियों की समस्याओं को लेकर आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष जयवीर राणा के नेतृत्व में व्यापारी एसएसपी डॉ.एस चन्नपा व एसपी देहात अशोक कुमार मीणा से उनके कार्यालय में मिले और शिष्टाचार भेंट कर उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष जयवीर राणा ने कहा व्यापारी समाज हमेशा से पुलिस व प्रशासन का सभी जनहित के मुद्दों पर सहयोग करता आया है और करता रहेगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा सभी के सहयोग से जिले के अंदर कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। एसपी देहात अशोक कुमार मीणा ने कहा हम सब एक दूसरे के सहयोग से जिले के अंदर व्यवस्था बनाए रखेंगे और सभी को न्याय मिले इस पर पूरा ध्यान केन्द्रित रहेगा। छोटी से छोटी समस्याओं को गंभीरता से लेना, हम सब का दायित्व है। इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल त्यागी। प्रदेश मंत्री गगन जैन जिला महामंत्री डॉ आदित्य आदित्य राठी ने भी सभी ने संयुक्त रूप से नवनियुक्त अधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर जिला उपाध्यक्ष अमित मदान जिला कोषाध्यक्ष युवा दिव्यलोक त्यागी, युवा नगर अध्यक्ष सूरज शुक्ला, ईशान सभी ने नवनियुक्त अधिकारियों का संगठन की तरफ से जिले में स्वागत किया।

मासिक आधार पर अभिभावक कराएं शुल्क जमा: जिलाधिकारी

संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने कहा कि लॉकडाउन की अवधि की फीस माफी के सम्बंध में अभी तक शासन द्वारा कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। अनलॉक के दौरान लोगों के कारोबार शुरू हो गए हैं। उन्होंने सरकारी व अर्द्ध सरकारी कर्मचारीसक्षम अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे विद्यालय में अपने बच्चों का मासिक आधार पर शुल्क जमा कराएं। उन्होंने कहा कि हालांकि किसी भी बच्चे की फीस जमा न होने पर नाम काटने का प्रावधान नहीं है, लेकिन अभिभावक यदि इकट्ठी फीस जमा नहीं कर सकते, तो मासिक आधार पर जमा करा दें, ताकि स्कूलों को राहत मिल सके। बैठक में प्रोग्रेसिव स्कूल्स सोसाइटी के महासचिव सुधीर जोशी व संयोजक सुरेंद्र चैहान ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि लॉकडाउन की अवधि में अधिकांश स्कूलों में अप्रैल, मई व जून माह की फीस जमा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि शासन के आदेशानुसार विद्यालयों द्वारा ऑनलाईन शिक्षा दी जा रही है। बैठक को अपर जिलाधिकारी प्रशासन एसबी. सिंह व जिला विद्यालय निरीक्षक डा.अरूण कुमार दुबे ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान आशा माडर्न इंटर नेशनल स्कूल के भव्य जैन, सैंट मैरी एकेडमी के फादर थार्सिस, रेनबो स्कूल की डा. किरण पेसीन मिश्री, स्प्रिंग बैल्स की अलका कुमार, ब्राइट होम के मौ. अहमद खान, पाइनवुड स्कूल के डा.संजीव जैन, गीता ज्ञान स्कूल के संजय गुप्ता, केएलजी के वाई. के. गुप्ता व नवीन गुप्ता, एल्पाइन स्कूल के शकील अहमद, डेलमोंड इंटरनेशनल के रंजन गुप्ता, दून वैली स्कूल के राज किशोर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

नगर निगम की सहारनपुर को डेंगू और मलेरिया से बचाने की मुहिम

संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा सहारनपुर महानगर को डेंगू और मलेरिया से बचाने के लिए युद्धस्तर पर शुरू किये गए फॉगिंग अभियान के तहत गुरुवार को महानगर के दस वार्डों में फॉगिंग करायी गयी। अभियान की शुरूआत बुधवार की देर शाम घंटाघर से मेयर संजीव वालिया व नगरायुक्त ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा की गयी थी। मेयर संजीव वालिया व नगरायुक्त ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि पिछले करीब साढ़े तीन महीने से लोग कोरोना से जूझ रहे है। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया के प्रकोप की संभावना रहती है, इससे महानगर के लोगों को बचाने के लिए नगर निगम द्वारा महानगर में युद्धस्तर पर फॉगिंग अभियान शुरू कराया गया है। नगरायुक्त ने बताया कि फागिंग के कार्य में निगम ने दस बड़ी गाड़िया और करीब दो दर्जन बाइक्स लगायी हैं। गाड़ियों के माध्यम से जहां मुख्य मार्गो पर फागिंग की जा रही है वहीं बाइक्स के माध्यम से छोटी गलियों में फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। गैराज प्रभारी बीएस अग्रहरि ने बताया कि गुरुवार की शाम को जिन दस वार्डों में फॉगिंग करायी गयी है उनमें वार्ड 36 सिराज कॉलोनी दरा कोटतला, वार्ड 37 गिल कॉलोनी, वार्ड 38 न्यू माधव नगर, वार्ड 39 नाजिरपुरा, वार्ड 41 शारदानगर दक्षिणि, वार्ड 42 नुमायश कैंप, वार्ड 43 सराय हिसामुद्दीन, वार्ड 45 छिपियान, वार्ड 46 मोहित विहार, वार्ड 47 खालापार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चूना व मेलाथियान आदि का छिड़काव भी कराया जा रहा है।

समस्तीपुर हलचल

कांग्रेस ने वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

समस्तीपुर। शुक्रावार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मार्गदर्शन तथा जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वधान में शहीदों को सलाम दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज एवं गांधी जी को साक्षी रखकर देश के कर्नल बी0 संतोष बाबू समेत 16 बिहार बटालियन के उन बीस वीर जवानों को जिन्होंने देश की रक्षा की खातिर गलवान भैली में अपने प्राणों की आहुती दी। उन्हें नमन करते हुए उनके बलिदानों को याद किया गया और उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर वर्तमान भारत सरकार से यह मांग की गयी कि भारत की भूमि को चीन के अधिपत्य से निकालने की दिशा में अविलम्ब कार्यवाही करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मो0 अबू तमीम ने किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व सचिव अमित कुमार सिंह, जिला महासचिव विनोद कुमार झा, मुकेश कुमार चौधरी, नौखेज आलम, सुनील पासवान, मो0 मोहीउद्दीन, बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव ई0 मो0 अबू तनवीर, कामेश्वर पासवान, डॉ0 सीडी यादव, अवधेश कुमार राय, मो0 जुल्फिकार आलम, प्रमोद कुमार, पिंटू साह, डॉ0 मो0 साबिर, मो0 अफजल आदि मौजूद थे।

ट्रक और बाईक की टक्कर में दो की मौत

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के एनएच 28 ढेपुरा बिजली कार्यालय के नजदीक विपरीत दिशा से आ रही ट्रक और बाईक की टक्कर से दो युवकों की मौत घटनास्थल पर हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह एवं पुअनि शशि भूषण प्रसाद तत्क्षण घटनास्थल पर जाकर ट्रक को पकड़ लिया परंतू ट्रक चालक मौका देखकर फरार हो गया। इस घटना में बुलेट क्षतिग्रस्त हो गया। मृतक की पहचान तेघरा के निवासी नारायण कुमार उर्फ गोलू 24 वर्ष एवं भगवानपुर निकासी अमरजीत कुमार 22 वर्ष के रूप में की गई है। बताया जाता है कि यह दुर्घटना बीती रात हुई थी। शुक्रावार कि सुबह पुलिस ने दोनों लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

एमआईएम की बैठक में किया गया संगठन का विस्तार

समस्तीपुर। जिले के सरायरंजन प्रखंड के बखरी पंचायत में शुक्रवार 26 जून को एमआईएम की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए मोहम्मद शमीम को पंचायत अध्यक्ष, मोहम्मद मुतुर्जा को युवा प्रखंड महासचिव एवं साजिद अली आमिर युवा प्रखंड सचिव पद पर मनोनीत किया गया और आशा व्यक्त की गई कि नव मनोनीत पार्टी पद धारक पूरे जी-जान से संगठन को मजबूत करने में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर, मोहम्मद निक्की, मोहम्मद इरफान एवं मोहम्मद साबिर सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

रेलवे ने कहा- कोरोना के हाल देखते हुए कुछ दिनों तक सभी ट्रेनें शुरू नहीं कर सकते

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामले देखते हुए अभी सभी ट्रेनें नहीं चलाई जा सकती हैं। रेलवे ने शुक्रवार को यह बात साफ कर दी है। रेलवे ने कहा है कि मौजूदा हालात देखते हुए निकट भविष्य में सभी ट्रेनें चला पाना संभव नहीं है। हालांकि, स्पेशल ट्रेनें चलती रहेंगी और इन पर भी नजर रखी जा रही है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद यादव ने कहा कि कोविड के हालात और डिमांड को देखते हुए जल्द ऐसी और ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल से बड़े शहरों में जाने वाली ट्रेनों में लोगों की तादाद बढ़ रही है। यह दिखाता है कि हमारी अर्थव्यवस्था की हालत ठीक हो रही है। बता दें कि देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय रेलवे ने गुरुवार को बड़ा फैसला लिया था। इसके तहत सभी रेगुलर मेल, एक्सप्रेस, पैसेंजर और सब-अर्बन ट्रेनों को 12 अगस्त तक कैंसिल किया गया है। इनसे यात्री टिकट बुक नहीं करवा पाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शरीर को स्वस्थ रखने के साथ वजन कम करने में मदद करते हैं ये 4 डिटॉक्स वाटर

स्वस्थ रहने के लिए शरीर को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी है। बॉडी डिटॉक्स करना यानि शरीर के अंदर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालना। आज हम आपको ऐसे डिटॉक्स वॉटर बताने जा रहे हैं जो शरीर को टॉक्सिन्स रहित बनाने के साथ पाचन तंत्र के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा इसे पीने से स्किन साफ, लिवर स्वस्थ रहता है और यह एनर्जी बूस्ट करने में मदद करता है। आइए जानिए घर पर कैसे बनाएं डिटॉक्स वाटर?

1. अनानास का डिटॉक्स वाटर - अनानास से तैयार वाटर एक्सट्रा चर्बी कम करने में मदद करता है। इसे बनाने के लिए अनानास और नींबू के टुकड़े बारीक काट लें। फिर इसे जार में लेकर इसमें पुदीने के पत्ते, पानी और बर्फ के टुकड़े डालें। अब इसे 4 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर पीएं।

२. स्ट्रॉबरी-किवी का डिटॉक्स वाटर - स्ट्रॉबरी और किवी में विटामिन्स, पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इससे तैयार डिटॉक्स वाटर पीने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में न्यूट्रिशन मिलता है और यह टॉक्सिन्स निकालने में मदद करता है। इसे तैयार करने के लिए स्ट्रॉबरी और किवी के बारीक टुकड़े काट लें और इसे पानी में डाल कर इसमें पुदीने के पत्ते और बर्फ के टुकड़े डालें। फिर इसे 6 घंटे के लिए फ्रिज में रखें।

३. संतरे और खीरे का डिटॉक्स वाटर - शरीर को टॉक्सिन रहित बनाने के लिए संतरे और खीरे से तैयार डिटॉक्स वाटर काफी फायदेमंद है। यह शरीर को बीमारियों से भी बचाए रखता है। संतरे में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है और खीरा शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है। इससे डिटॉक्स वाटर तैयार करने के लिए पुदीने के पत्ते और खीरे को काट कर पानी में डालें। फिर इसमें संतरे के टुकड़े डाल कर फ्रिज में २ घंटे के लिए रख दें।

4.तरबूज और खीरे का डिटॉक्स वाटर - यह शरीर को टॉक्सिन्स रहित करने के साथ पाचन तंत्र के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसके लिए तरबूज, खीरे और पुदीने के पत्ते काटकर जार में डालें और फिर इसे फ्रिज में 4 घंटे के रखें। फिर इसे पीएं।

महीने में Fairness पाने के लिए नेचुरल तरीके से बनाएं यह क्रीम

गोरापन हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। हर लड़की भी यही चाहती है कि किसी न किसी तरीके उसकी त्वचा में निखार आ जाए। इसके लिए वह कई तरह की फेयरनेस क्रीम का इस्तेमाल भी करती हैं। कई बार इन क्रीम्स में मौजूद कैमिकल त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। अगर घर पर नेचुरल तरीके से फेयरनेस क्रीम बनाकर इस्तेमाल की जाए तो जल्दी फायदा मिलता है।

जरूरी सामान – 1 टेबलस्पून नींबू का रस
3 टेबलस्पून गुलाब जल
1 टेबलस्पून बादाम या ऑलिव ऑयल
2 टेबलस्पून एलोवेरा जेल
क्रीम बनाने का तरीका
सबसे पहले नींबू के रस और गुलाब जल को अच्छे से मिक्स कर लें। अब चंदन के पाउडर को इसमें डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें ऑलिव ऑयल या फिर बादाम का तेल मिलाएं और अच्छी तरह मिक्सी में डालकर मिला लें। जब यह मिक्स हो जाए तो इसमें एलोवेरा जेल डाल दें और मिक्सी में सारे मिश्रण को अच्छे से मिला लें। जब यह क्रीम की तरह बन जाए तो इसे एयरटाइट डिब्बी में डाल कर रख लें।

इस तरह करें इस्तेमाल – इसे इस्तेमाल करने से पहले चेहरे को गुलाब जल के साथ अच्छी तरह से क्लीन कर लें। अब हथेली पर थोड़ी-सी क्रीम लेकर इसे चेहरे पर अप्लाई करें। इसकी चेहरे पर अच्छी तरह से मसाज करें। एक महीने तक दिन में लगातार 2 बार इस क्रीम का इस्तेमाल करें। इससे नेचुरल तरीके से चेहरे का रंग गोरा होना शुरू हो जाएगा।

कोशिश करने के बाद भी नहीं छूट रही शराब की लत तो अपनाएं ये टिप्स

आज 10 में 7 लोग शराब पीने के आदी हैं। शराब की लत ने ना सिर्फ उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी है बल्कि उनके परिवार वाले भी इस आदत से दुखी हैं। शराब पीने की वजह से कई घर टूट रहे हैं। अपने परिवार को अच्छा माहौल देने के लिए कुछ लोग तो इस गंदी आदत को छोड़ना भी चाहते हैं। मगर कई बार कोशिश करने के बाद भी वह शराब छोड़ नहीं पाते। अगर आप शराब छोड़ने का मन बना चुके हैं तो ये घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

1. गाजर का जूस – जो लोग शराब छोड़ना चाहते हैं उनके लिए गाजर बहुत बढ़िया है। रोजाना गाजर का जूस पीने से शराब पीने की इच्छा खत्म होती है। इसके साथ ही शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

2. खजूर – शराब की लत से छुटकारा पाना चाहते हैं तो खजूर को दूध के साथ मिसकर करके पीएं। इसको पीने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. करेले के पत्ते – करेले के रस से भी शराब की लत को कुछ ही दिनों में दूर किया जा सकता है। करेले के पत्तों को पीसकर इसका रस निकाल लें। फिर इमसें शहद के 2 चम्मच मिलाकर पीए लें।

4. अंगूर – शराब जो है वह अंगूर से ही बनती है। अगर आप रोजाना अंगूर खाना शुरू कर देते हैं तो कुछ ही दिनों में शराब पीने की आदत छूट जाएगी।

5. अजवाइन – 1 गिलास पानी में अजवाइन डालकर उसको तब तक उबालें जब तक वह आधा ना रह जाए। अब इस पानी को ठंडा होने के बाद पीएं। लगातार 1 महीने तक इस पानी को पीने से शराब पीने की इच्छा कम होगी।

6. शिमला मिर्च – शिमला मिर्च को पीसकर इसका जूस निकाल लें। रोजाना खाना खाने के बाद आधा कप शिमला मिर्च का जूस पीएं। ऐसा करने से थोड़े दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

7. अदरक का तेल – अदरक का तेल या इसकी चाय पीने से भी शराब छोड़ने में मदद मिलती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉलिवुड पर अभय का कटाक्ष, कहा- इंडस्ट्री के भ्रष्टाचार पर बनाई जा सकती है फिल्म

अभय देओल बॉलिवुड के टैलंटेड ऐक्टर्स में से एक हैं। वह भले कम फिल्मों में नजर आते हैं लेकिन सोशल मीडिया पर ऐक्टिव रहते हैं और अपनी बात बेबाकी के साथ रखते हैं। उन्होंने साल 2012 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'शंघाई' का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वह आज भी इसे रेलिवेंट मानते हैं। अभय देओल ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी फिल्म 'शंघाई' का पोस्टर शेयर किया है। इसके उन्होंने लिखा, शंघाई 2012 में रिलीज हुई। लेखक वासिलिस वासिलिको के ग्रीक उपन्यास 'जेड' पर आधारित और दिवाकर बनर्जी के निर्देशन में बनी एक समकालीन भारतीय फिल्म विनाशकारी प्रभाव के साथ राजनीति के मोर्चे और भ्रष्टाचार को सामने रखती है। आज भी बहुत रेलिवेंट है। इन दिनों कोई बॉलिवुड की भ्रष्ट प्रथाओं के बारे में फिल्म बना सकता है!

सिनेमा के जरिए मजबूत महिलाओं को दिखाना चाहती थीः अनुष्का

अभिनेत्री-निर्माता अनुष्का शर्मा का कहना है कि वह सिनेमा के माध्यम से हमेशा सशक्त, स्वतंत्र महिलाओं को दिखाना चाहती थीं और उनके प्रोडक्शन की नई फिल्म 'बुलबुल' उस दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा, क्लीन स्लेट फिल्मज (उनका प्रोडक्शन हाउस, जिसे वह अपने भाई कनेर्श के साथ चलाती है) एक दिन अपनी खुद की शैली बनाएगा। हम हमेशा कहानी कहने की एक ऐसी शैली बनाना चाहते थे जो महिलाओं और उनकी स्पिरिट पर आधारित हो। हम हमेशा सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के लिए मजबूत, स्वतंत्र महिलाओं को दिखाना चाहते थे और 'बुलबुल' इस दिशा में हमारी नई पेशकश है। उन्होंने आगे कहा, हमें वास्तव में गर्व है कि 'बुलबुल' को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है। लोगों ने हमारे प्रयास को सराहा है। हर प्रोजेक्ट हम यह सोचकर करते हैं कि हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है कि 'पाताल लोक' और 'बुलबुल' दोनों को शानदार समीक्षा और दर्शकों की सराहना मिली है। अनुष्का को खुशी है कि नए लेखक, निर्देशक, संगीतकार और अभिनेता बॉलीवुड में अपनी पहचान बना रहे हैं।

सारा अली खान हुईं इमोशनल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह सुशांत सिंह राजपूत के काम की सराहना करती नजर आ रही हैं। बताते चलें कि सुशांत सिंह राजपूत ने पिछले हफ्ते 14 जून को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मुंबई पुलिस केस की छानबीन कर रही है और दोस्तों समेत परिवार वालों और रिश्तेदारों से पूछताछ जारी है। फिल्म केदारनाथ की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान का यह वीडियो इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है। सारा इसमें कहती नजर आ रही हैं कि मैं नहीं जानती कि मैंने इस फिल्म में आखिर किया कैसा है। लेकिन मैंने, बहुत-बहुत मेहनत की है। मुझे लगता है कि मैंने इस फिल्म में जैसा भी काम किया, जो भी काम किया, वो मैं सुशांत के बिना नहीं कर पाती। सुशांत मददगार साबित हुए। कई दिन ऐसे होते थे जब मैं अपनी दुनिया में खोई हुई होती थी, डरी हुई होती थी, लेकिन सुशांत मुझे हमेशा सपोर्ट करते थे। मुझे चीयरअप करते थे। मैं टूटी-फूटी हिंदी बोलती थी तो सुशांत ही मुझे सिखाते थे और ठीक करते थे। फिल्म केदारनाथ सारा अली खान की पहली फिल्म थी।